# POINTS TO BE NOTED

## IN CONNECTION WITH THE USE OF THE *ŚLOKA-PADA-SŪCĪ OF HARIVAMSA*

( 1 ) In this Suci, we have taken into account the padas or verse-quarters occurring in the Constituted Text of Harivamśa We have altogether ignored the star passages and Appendix passages

( 2 ) These verse-quarters are reproduced in Devanāgari script in the alphabetical order as set forth below

*Vowels* अ ( अं, अ ), आ इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ऌ ए, ऐ, ओ and औ— the scheme represented by अं, अ (shown within brackets after अ) being made applicable *mutatis mutandis* to each of the vowels

*Consonants* क ( क, क , का, का, का , कि, किं, कि etc ) ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ( ळ ), ल, व, श, ष, स, ह—the scheme represented by क, कं, क , का, का, का , कि, किं, कि etc, ( shown within brackets after क ) being made applicable *mutatis mutandis* to each of the consonants

( 3 ) Each verse-quarter is followed by the reference or references to the place or places where the verse-quarter occurs These references are given in the serial order

( 4 ) The figure in black or Clarendon Type indicates the adhyaya in the constituted text of Harivamśa The next figure in running type represents the number of the *śloka in that adhyaya Letters* [a], [b], [c], [d], [e], *and* [f] *attached to* the number of the śloka denote respectively the first, the second, the third, the fourth, the fifth, and the sixth padas of that śloka

चिकित्सितपाठात्मकस्य हरिवंशस्य

# श्लोकपादसूची

एकलव्यो गुहाक्षत्र 81 44[b]
एकलव्यो महाराज 24 27[c]
एकवर्णा वसुधरा 54 13[d]
एकविंशच्छतानि च 91 13[b]
एकवेणीधरा सर्वा 91 13[c]
एकवेणीधरा स्त्रिय 92 26[b]
एकवेषधराश्चैक 51 3[c]
एकशङ्खास्तथा नार्य 116 35[c]
एकशय्यासनाशनौ 51 3[b]
एकशृङ्गा इति ख्याता 13 53[a]
एकश्चक्रधर श्रीमान् 42 52[c]
एकश्च मे मतो राशि 1 11[c]
एकस्तम्भैश्च भूषितम् 72 3[b]
एकस्त्वमनपत्यश्च 35 27[a]
एकस्त्वमसि लोकाना 62 19[a]
एकस्त्व पुरुषोत्तम 100 22[b]
एकस्थानचर कृत 52 36[d]
एकस्य शिशुना गत्वा 51 4[d]
एकस्यार्थाय यो हन्यात् 6 1[a]
एक गोब्राह्मण स्मृतम् 45 29[d]
एक मृदुतर मेने 42 17[c]
एक वशाधर त्वेका 10 56[c], 57[b]
एक सहस्रशास्तत्र 108 44[a]
एक पञ्चजनो नाम 10 63[c]
एक शत्रुनिबर्हण 107 51[d] 108 42[d]
एक शोको हि नारीणाम् 69 14[a]
एकाक्षश्चन्द्रहा राहु 31 77[c]
एकाम प्रयतश्चैव 4 23[c]
एका तत्र निराहारा 13 18[a]
एका त्व भोक्ष्यसे जगत् 47 56[b]
एकादश सहस्राणि 109 79[a]
एकादशैते कथिता 3 44[a]
एकानंशेति मानवा 96 14[b]
एकानंशेति यामाहु 96 11[c]
एकार्णवगति प्रभु 31 28[d]
एकार्णवगते लोके 30 16[c]
एकार्णवजले भ्रष्टाम् 31 28[c]
एकार्णवविमुक्त च 62 62[c]
एकार्णवाम्बुनिचये 42 20[c]
एकार्णवे तदा लोके 42 25[c]
एकाहमिति मे मति 14 12[b]
एकाहेन महाबाहु 101 7[c]
एकेन वै तदुभय 118 30[c]
एकेन स मुहूर्तेन 109 80[c]
एकेनामलपत्रेण 55 10[a]
एकैकस्योपरि तदा 108 47[a]
एकैक तत्र चोद्यान 109 36[a]
एकैक शतशो राजन् 109 59[c]
एकैक सप्तधा चक्रे 3 108[c]
एको वैवस्वतस्तेषा 7 39[c]
एतच्चक्र निवर्तितम् 112 111[b]
एतच्चानुमत मम 45 14[d]
एतच्छ्रुत च दृष्ट च 104 24[a]
एतच्छ्रुत्वा कुरुश्रेष्ठ 104 25[b]
एतच्छ्रुत्वा तदा वाक्य 110 16[a]
एतच्छ्रुत्वाब्रवीदेन 26 17[a]
एतच्छ्रुत्वा वचस्तस्य 78 30[a]
एतच्छ्रुत्वा सुरा सर्वे 31 53[a]
एतत्कार्य विचिन्तयन् 109 25[b]
एतत्ते कथित मया 90 18[b]
एतत्ते प्रथम राजन् 7 10[c]
एतत्त सर्वमाख्यात 89 52[a]
एतद्द्वैविध्यमुच्यते 59 21[d]
एतत्पादेन पातितम् 50 18[c]
एतत्सर्व यथावृत्तम् 104 7[c]
एतत्सर्व वदिष्यति 11 40[b]
एतत्सोमस्य ते जन्म 20 47[a]
एतदर्थ च वासोऽस्य 55 56[a]
एतदाख्यानमिच्छामि 11 8[c]
एतदाश्चर्यभूतस्य 32 9[a]
एतदाश्चर्यभूत हि 51 37[a]
एतदाश्चर्यमभवत् 38 80[a]
एतदाश्चर्यमाख्यान 30 57[a]
एतदिच्छामि वेदितुम् 11 2[f]
एतदिच्छाम्यह श्रोतु 11 14[c] 15 8[a]
एतदुह्यमानेण 31 151[a]
एतद्वैरसभाव्य 61 53[a]
एतद्वाहुद्वय यत्ते 31 98[a]
एतद्यद्यनुकूल व 84 8[a]
एतद्युद्धमुखे मतम् 75 20[d]
एतद्युष्मत्प्रवृत्तन 42 51[a]
एतद्वै श्रोतुमिच्छामि 11 4[c]
एतन्नीलोत्पलश्याम 54 24[a]
एतन्मे कृष्ण कार्त्स्न्येन 62 88[a]
एतन्मे कृष्ण विज्ञाप्य 78 29[a]
एतन्मे सर्वमाचक्ष्व 10 29[c]

कर्तुं व्यवसितो नृप 10 38[d]
कर्तृणा दास्यते फलम् 115 42[d]
कर्दमस्य प्रजापते 2 6[b] 4 12[b] 13 58[b]
कर्म कृष्णस्य वै तदा 92 67[b]
कर्म चाम्बरगामिनाम् 100 50[d]
कर्म चारब्धमुत्तमम् 15 54[d]
कर्म चैव शशास तत् 92 55[d]
कर्मज निहते दैत्ये 58 58[c]
कर्मज फलमुच्यते 11 11[d]
कर्मणा च विशेषत 107 34[b]
कर्मणा चोपपादितम् 107 37[b]
कर्मणा तेन तस्य ह 10 52[d]
कर्मणा तेन ते तात 16 27[a]
कर्मणा तेन दैत्यस्य 38 33[a]
कर्मणा परितोषित 67 55[c]
कर्मणाप्रतिम भुवि 89 9[d]
कर्मणा मनसा वाचा 20 1[c] 22 39[c]
कर्मणामनुसधानं 101 2[c]
कर्मणामानुपूर्व्या च 30 2[a]
कर्मणाश्चर्यभूतस्य 30 57[c]
कर्मणा गहना गतिम् 32 2[b]
कर्म तत्केशवादन्य 96 64[c]
कर्म तद्विफलीकृतम् 65 48[d]
कर्मतो जन्मतोऽपि वा 40 15[d]
कर्मभिश्चानुचिन्त्यताम् 75 22[d]
कर्मभिस्तोषिता दिव्यै 62 38[c]
कर्मभि सोऽनुमीयते 65 25[d]
कर्मभि स्वैर्जित शुभै 85 64[d]
कर्मभूमिरिहस्थाना 41 24[a]
कर्माणि तव दृष्टवान् 67 55[b]
कर्माणि रिपुघातिन 30 1[b]
कर्माण्यपरिमेयानि 105 1[c] 106 1[a]
कर्माण्युक्तानि वै राजन् 105 4[c]
कर्मैतदनुरूप वा 5 34[c]
कर्षकाणा कृषिर्वृत्ति 59 21[a]
कर्षकान्पुगवैर्वाह्यै 62 40[a]
कर्षणाधोमुख बली 83 30[d]
कर्षणायुधकृष्टास्मि 83 45[c]
कर्षणेन च वृक्षाभ्या 65 5[a]
कर्षणेन महाबाहो 83 43[c]
कर्षणेनास्य गर्भस्य 48 6[a]
कर्षन्मर्दन्नमत 89 45[d]
कर्षमाण उदूखलम् 51 15[d], 16[d]
कर्षमाणमुदूखलम् 51 26[d]
कल्माषपक्षपाण्डुषु 59 30[b]
कल्माषवत्ससस्येषु 59 45[a]
कल्माषनतामासु 62 52[c]
कलहायास्पद घोर 89 26[c]
कलास्त्रैकाल्यमेव च 30 26[b]
कलिङ्गराजस्तच्छ्रुत्वा 89 32[a]
कलिङ्गस्य तथानीकं 87 68[c]
कलिङ्ग च जनार्दन 97 15[b]
कलिङ्गाधिपतिश्चैव 80 10[c]
कलिङ्गाधिपतिं तथा 87 5[d]
कलिङ्गाधिपतेरपि 89 44[b]
कलिङ्गा पुण्ड्रकाश्चैव 23 32[c]
कलिस्त्व हि विनाशाय 65 69[a]
कलेर्भागे तथैव च 44 4[b]
कल्की विष्णुयशा नाम 31 148[c]
कल्पयित्वा च भागश 67 44[b]
कल्पयेय गवा स्थान 61 27[c]
कल्पस्य परिमाणत 23 30[d]
कल्पान्तेषु पुन पुन 7 54[d]
कल्पितेय मया भूमि 86 5[a]
कल्पितै रणकोविदै 81 16[d]
कल्पो नि शेष उच्यते 7 52[f]
कल्प्यन्ता त्रिकचत्वरा 86 9[b]
कल्प्यन्ता राशयोऽव्यया 72 8[b]
कल्प्यन्ता सूपकल्पिता 72 11[d]
कल्माषपादस्य सुत 10 71[a]
कल्माष खसृमस्तथा 110 24[b]
कल्याणत्वान्नरपते 27 8[c]
कल्याण समवाप्स्यसि 19 12[d]
कवच च महाप्रभम् 5 22[d]
कवचासिगदाप्रासान् 112 8[a]
कवचेषु महास्वन 87 76[b]
कव्यादाश्च पितॄनपि 30 23[b]
कशापार्ष्णिप्रचोदितै 84 18[d]
कशेरुमगमत्तदा 91 7[b]
कश्च काल प्रसुप्तस्य 85 56[c]
कश्च त्व विकृताकार 73 20[c]
कश्चिच्छक्तो जिगीषितु 67 51[b]
कश्चिच्छक्तो महामृधे 109 89[d]
कश्चिज्जानाति तत्त्वेन 107 48[c]
कश्मीरराजो गोनर्द 81 38[c]
कश्यपश्च महानृषि 7 30[b]

कोशसचयरक्षिण 92 9[b]
कोऽस्ति यो मानुषे लोके 46 23[c]
को क्षतेन न विस्मयेत् 62 13[d]
कौतूहलमतीव च 11 34[b]
कौतूहलसमाविष्ट 100 48[c]
कौतूहलादिद वाक्य 59 3[a]
कौन्तेयस्ता पाण्डुरागहत 24 22[d]
कौमार व्रतमास्थाय 35 27[c] 47 45[c]
कौरवाणा धुरधर 23 118[b]
कौरवा पैकयास्तथा 81 45[b]
कौशाम्ब्यो मालवश्चैव 81 42[a]
कौशिकस्य सुतास्तात 16 5[a]
कौशिकाना महात्मनाम् 23 88[d]
कौशिका चद्व स्मृता 23 90[f]
कौशिकी त्व भविष्यसि 47 47[d]
कौशिकीं सश्रयिष्यन्ति 117 28[c]
कौशिको गालवश्चैव 7 44[c]
कौशिक्या सुतसोमाया 98 18[a]
कौशेयेन च भास्वता 63 20[b]
कौसल्य काशिराजश्च 80 13[a]
कौसल्या सुषुवे सुतान् 27 1[b]
क्रतुदन्तश्चितीमुख 31 22[b]
क्रतुमङ्गिरस शिवम् 2 18[d]
क्रतुरिन्द्रेण ते विभो 118 27[d]
क्रतुर्वसिष्ठ पुलह 12 14[a]
क्रथकैशिकभर्ता तान् 87 30[a]
क्रथकैशिकमुख्याश्च 88 5[c]
क्रथकैशिकमुख्यास्तु 87 10[a]
क्रथकैशिकमुख्यास्ते 88 15[c]
क्रथस्य त्वशुमान्वशे 87 11[c]
क्रन्दन्ति स्म गृहे गृहे 53 5[d]
क्रन्दन्त्यो विस्मयन्त्यश्च 51 20[c]
क्रन्दमाना जगन्नाथ 67 14[c]
क्रन्दमाना व्रजं जग्मु 56 14[c]
क्रमन्त कालनेमिनम् 36 57[b]
क्रममाणस्त्रिभि क्रमै 38 20[d]
क्रममाण हृषीकेशम् 31 87[c]
क्रमविक्रमसत्कृत 31 24[b]
क्रमशस्तानि राज्यानि 3 110[c]
क्रम प्रणीय पाञ्चाल 19 29[a]
क्रमेण विपरीतेन 76 38[c]
क्रमेण स पितामह 4 10[b]
क्रमेण सप्त स्कन्धास्स 91 40[a]
क्रमेणान्तरधीयत 91 42[d]
क्रमेणैतेन भारत 7 37[d]
क्रमो येन प्रवर्तित 15 12[d]
क्रव्यादानखनेजमा 110 43[b]
क्रव्यादानि च भूतानि 38 43[c]
क्रव्यादा ब्रह्मरूपेण 117 16[c]
क्रव्यादैरनुयातानि 81 57[a]
क्रव्यादो बाधते लोकान् 44 66[c]
क्राथश्चैवांशुमानपि 80 12[b] 89 17[d]
क्राथस्य वसुदेवेन 82 2[c]
क्राथोंऽशुमाञ्श्रुतर्वा च 88 4[c]
क्रान्तविक्रान्तगामिना 55 3[d]
क्रान्तुकाम इवौजसा 38 36[d]
क्रियतामत्र मन्दिरम् 86 14[b]
क्रियतामविचारितम् 59 61[f]
क्रियता किं विचार्यते 59 29[d]
क्रियतेऽति पुन पुन 8 28[d]
क्रियते न च ते सुभ्रु 107 32[c]
क्रियन्ता मञ्चवाटाश्च 72 7[a]
क्रियमाणैरितस्तत 53 26[b]
क्रियातश्च विनि सृत 75 27[b]
क्रियावरसमाम्नातम् 75 10[c],
क्रियालोपश्च लोकाना 41 25[c]
क्रियावन्त प्रजावन्त 1 33[c]
क्रियां च पुण्यां लभते गुणान्वित 118 46[d]
क्रिया काश्चित्करिष्यति 12 35[b]
क्रीडता लीलया पुरा 31 115[d]
क्रीडता वासुदेवेन 96 35[c]
क्रीडतो सह गोपालै 54 2[c]
क्रीडध्व सह बान्धवै 79 31[d]
क्रीडन्त बहुधा युद्धे 108 44[c]
क्रीडन्त मधुसूदन 97 17[b]
क्रीडन्त शिशुलीलया 56 9[b]
क्रीडन्तावनिलानलौ 36 35[d],
क्रीडन्ति व्रजयोषित 63 28[d]
क्रीडन्तौ वत्सशालासु 51 9[c]
क्रीडन्निव च युद्धेषु 108 91[c]
क्रीडमानो व्यलोडयत् 96 33[d]
क्रीडमानौ क्वचित्क्वचित् 52 6[b]
क्रीडापयन्त्या मणिना 28 23[c]
क्रीडाभिरपराजितौ 58 7[d]
क्रीडाभिरभिशोभितौ 51 6[b]
क्रीडाभिश्चरतुर्यनम् 58 8[d]

ख

जगाम तत्र प्रद्युम्न 89 3[a]
जगाम तत्र यत्रास्ते 112 113[c]
जगाम तद्विधा कृत्वा 71 63[e]
जगाम त्रिदशेश्वर 62 9?[c]
जगाम त्रिदिव देव 86 53[c]
जगाम त्रिदिव हृष्ट 35 71[c]
जगाम त्रिदिवालयम् 86 70[d]
जगाम पर्वतायैव 3 104[c] 9 63[c]
जगाम ब्रह्मणा सार्धं 38 79[c]
जगाम ब्रह्मदत्तोऽथ 19 23[a]
जगाम भगवानृषि 118 5[d]
जगाम मार्गं बलवान् 110 9[c]
जगाम यमुनातीर 55 27[c]
जगाम यमुना नदी 56 8[d]
जगाम यमुना नदीम् 50 4[d]
जगाम रथमास्थाय 26 13[c]
जगाम रथमुख्येन 67 1[c]
जगाम रोषमुत्सृज्य 118 8[c]
जगाम वसुधातलम् 108 74[d]
जगाम विमना भृशम् 48 51[d]
जगाम विष्णु स्व देश 45 47[a]
जगाम शरणार्थाय 20 45[e]
जगाम शिबिरं राम 89 47[a]
जगाम स रथा नाश 22 8[c]
जगाम सानुतो मेरु 61 61[e]
जगामाकाशमाविश्य 48 29[c]
जगामाकाशमेव तु 73 35[b]
जगामाकाशमेव ह 31 47[b]
जगामाथ ततो विष्णु 47 23[a]
जगामादर्शन ह्रदात् 56 40[d]
जगामामितदक्षिण 70 33[d]
जगामाशु पुरीं प्रति 87 44[b]
जगामास्त दिनकर 77 59[e]
जगामैकविनिश्चयम् 27 8[b]
जगामैको व्रज राम 83 1[c]
जगृहुर्नि सुता वार्णी 63 33[c]
जगृहुर्योगगामिन 60 33[d]
जगृहुस्ते प्रचेतस 2 44[b]
जग्मतुनिधन चापि 42 30[c]
जग्मतुर्मालयकारणात् 71 15[b]
जग्मतुर्हृष्टमानसौ 76 46[d]
जग्मतुस्तौ तु सरस्तौ 57 2[a]
जग्मुरात्ति महामृध 35 8[d]
जग्मुर्गोपगणा घोष 56 46[b]
जग्मुर्निर्वैरतां नृपा 62 63[d]
जग्मुर्भयसमाकुला 108 60[b]
जग्मुर्विगतसकल्पा 66 40[c]
जग्मुस्ते वै मुदा युता 31 53[d]
जग्मु कसनिवेशनम् 71 14[d]
जग्मु कृतयुगं चैव 40 35[e]
जग्मु सबलवाहना 100 86[d]
जग्मु स्यन्दनवाहना 70 6[d]
जग्राह ग्राहवद्विभु 63 17[d]
जग्राह च चतुर्मुख 112 29[d]
जग्राह ज्वलिता दीप्ता 108 71[e]
जग्राह तद्धनूरत्न 71 50[c]
जग्राह पुरुषव्याघ्र 112 94[e]
जग्राह पुरुषोत्तम 108 73[d] 110 42[d] 112 31[b]
जग्राह प्रथम राम 81 61[a]
जग्राह मधुसूदन 112 72[b]
जग्राह मुष्टिक रङ्गे 76 1[c]
जग्राह मुसलोत्तमम् 81 62[d]
जग्राह रणमूर्धनि 108 42[b]
जग्राह वारुण सोऽस्त्र 112 22[c]
जग्राह विधिवत्प्रभु 88 34[d]
जग्राह वैष्णव सोऽस्त्र 112 26[c]
जग्राह शिरसि क्रुद्ध 112 78[c]
जग्राह स गुहस्तदा 112 37[d]
जग्राह सप्त तान्गर्भान् 48 1[c]
जग्राहात्मविशुद्धये 28 29[b]
जघने तद्वन कृत्वा 44 46[c]
जघान कृष्ण ग्रीवाया 110 70[c]
जघान चाश्वाश्चतुर 87 56[e]
जघान चैषा सरुध 88 16[e]
जघान जनमेजय 10 14[d]
जघान तुरगांश्चाजौ 81 80[c]
जघान दानवान्सर्वान् 21 22[e]
जघान निशितै शरै 88 17[b]
जघान नृपतिं प्रभु 31 101[d]
जघान परमास्त्रवित् 29 19[d]
जघान पुरुषव्याघ्र 97 25[c]
जघान पुरुषव्याघ्रौ 31 119[e]
जघान पुरुषोत्तम 79 15[b] 96 12[d], 42[d]
जघान यो नरव्याघ्र 97 8[c]
जघान राम सक्रुद्ध 87 69[c]
जघान सचिवै सार्धं 31 1-5[a]

तामन्त प्रसवां दृष्ट्वा 20 37[a]
ता समानय भद्र ते 113 10[a]
तामसस्य मनोरेते 7 21[a]
तामसस्यान्तरे मनो 7 19[d]
तामसेनास्त्रजालेन 35 13[c]
तामस्या छादयामास 108 5[c]
तामापतन्तीं सम्प्रेक्ष्य 108 73[a]
तामावसत्पुरा कृष्ण 86 52[a]
तामासनवतीं रम्या 95 15[a]
तामाह कृष्ण कुब्जेति 71 23[a]
तामाह निद्रा सविता 48 5[a]
तामाहुरसतीं नाम 107 37[c]
तामिडेत्येव होवाच 9 6[a]
तामिन्द्रवचनाद्गत्वा 93 7[a]
तामियेष च स प्रभु 27 10[d]
तामुत्थाप्य परिष्वज्य 88 28[a]
तामुवाच हसन्तीं तु 71 27[a]
तामेकभावसंयुक्ता 18 23[c]
तामेकामाहुरुपमाम् 96 14[a]
तामेव रजनीं कन्या 48 12[c]
तामेव सुवतीं दृष्ट्वा 83 47[a]
ताम्रजाक्षो ज्वलान्तक 98 7[d]
ताम्रतुङ्गनखी सुभ्रू 87 37[c]
ताम्रा क्रोधवशा इरा 3 45[d]
ताम्रायाः परिकीर्तिता 3 81[b]
ताम्रावशा प्रकीर्तित 3 83[d]
ताम्रौष्ठनयनापाङ्गी 87 36[c]
तारकश्च महाबल 3 68[d]
तारकाचित्रकुसुमे 32 27[c]
तारणायेह कल्पते 11 55[d]
तारस्तु क्रोशविस्तारम् 33 9[a]
तारागणपताकिनी 37 17[b]
तारापङ्क्तिरिवाम्बरात् 53 15[d]
तारापतिमिवोदितम् 108 2[d]
ताराभिश्चित्रमम्बरम् 59 38[b]
तारामकथयन्सुरा 20 39[d]
तारा नाम यशस्विनीम् 20 29[b]
तारा पप्रच्छ संशयम् 20 41[b]
तारे कस्य सुतो ह्ययम् 20 41[d]
तालजङ्घा इति श्रुता 23 158[d]
तालजङ्घान्महैहयान् 10 26[d]
तालजङ्घास्तथैव च 23 160[b]
तालजङ्घो महाबल 23 158[b]
तालपक्वानि सहितौ 57 8[c]
तालपङ्क्तेश्च पातितैः 57 22[b]
तालशब्द स तं श्रुत्वा 57 14[a]
तालशब्देन तं कृष्ण 64 72[a]
तालस्तम्भघनश्याम 62 5[a]
तालस्वनमिव द्विप 57 14[d]
तालानां तमधो दृष्ट्वा 57 17[c]
तालैस्तैर्विपुलस्कन्धै 57 6[a]
तावती पोषणे नृप 10 60[d]
तावती प्रापयिष्याम 92 13[c]
तावत्स्थास्यति मे यश 83 49[f]
तावदेव च विस्तीर्णम् 93 37[c]
तावदेवापर भूय 89 28[c]
तावद्द्विगुणमायतम् 53 21[d]
तावद्वृत्त समन्तत 100 33[d]
तावन्त्येव सहस्राणि 27 23[a]
तावन्मात्र प्रकुर्वन्ति 16 18[a]
तावन्योन्यगतौ बाली 51 2[a]
तावन्योन्यमयावुभौ 81 66[b]
तावन्योन्यावरुद्धाङ्गौ 64 18[a]
तावप्युभौ सुवसनौ 71 15[a]
तावरिष्टपरिखुतौ 72 24[b]
तावर्जुनौ कृष्यमाणौ 51 16[a]
तावागतौ समालोक्य 42 20[a]
तावानय ममाज्ञया 65 92[b]
तावापतन्तौ त्वरितौ 74 22[a]
तावायुधानि विन्यस्य 79 39[a]
ता वार्यमाणा पितृभि 63 24[a]
तावाह वरवर्णाङ्गौ 71 3[a]
तावुद्दिश्य वनौकसा 73 3[b]
तावुद्यतमहागदौ 82 10[b]
तावुद्यताशुपाशौ तु 36 17[a]
तावुभावनुलिप्ताङ्गौ 71 30[c]
तावुभावाप्लुतौ तोये 42 31[a]
तावुभौ जलगर्भस्थौ 42 22[a]
तावुभौ दानवोत्तमौ 44 73[b]
तावुभौ मधुकैटभौ 38 18[d] 42 23[b], 30[a]
तावुभौ मल्लपुङ्गवौ 72 25[b]
तावुभौ वज्रसदृशौ 71 36[a]
तावूचतुस्तदा सर्वान् 5 35[a]
तावूचुर्ऋषय सर्वे 5 34[a]
तावेव मानुषीं दीक्षा 58 8[a]
ताश्च प्राग्ज्योतिषपति 91 15[a]

त्रय पूर्वं हता ये च 103 27c
त्रयोदश महाबला 3 76d
त्रयोऽपायास्त्रयो गुणा 30 28d
त्रयोऽग्निसधिता लोका 10 65c
त्रयो ये परमा गणा 13 6b
त्रयो रथगता जग्मु 70 7c
त्रयो वर्णाश्च लोकास्त्रीन् 38 72c
त्रयो वर्णास्त्रयो लोका 30 28a
त्रयो हताश्चतुर्थं स्व 101 11c
त्रसद्दस्युर्महीपति 9 86b
त्रसद्दस्योर्जनन्यपि 13 63f
त्रसरेणुप्रमाणानि 13 28c
त्रस्तमीनविहगमा 83 36d
त्रस्तसमूढवाहनम् 81 53d
त्रस्तं शापानिलेरितम् 43 36d
त्रातव्या प्रथम गाव 45 30a
त्रात स पुरुषव्याघ्र 5 24c
त्रातार मनसा जग्मु 32 12c
त्रातार शरणार्थिनाम् 65 16d
त्रातास्त्रायन्ति ता द्विजान् 45 30b
त्रातुकाम समभ्ययात् 110 56b
त्रायध्वमित्युवाचार्ता 13 29c
त्रायस्व नोऽद्य देवेश 31 60a
त्रासन यादवै कृतम् 85 32b
त्रासन परसैन्याना 67 21a
त्रासन सर्वभूताना 44 23c
त्रासन सुरसत्त्वाना 91 5c, 55a
त्रासयद्भिश्च गोव्रजान् 52 34b
त्रासयद्भिश्च दानवै 97 22b
त्रासयन्क्रथकैशिकान् 89 45f
त्रासयन्ति नभश्चरान् 81 58b
त्रासयन्तो द्रुमच्छिद 59 25d
त्रासयन्बहुधा बली 108 34e
त्रासयन्नमदो गोष्ठान् 64 1c
त्रासयन्सर्वदेवता 36 58d
त्रासयान स दुर्मति 57 13d
त्रासयामास दुष्टात्मा 64 10c
त्रासयामास पार्थिवान् 89 44f
त्रास विसृज्य वैरस्था 108 30c
त्रासादभ्येत्य जज्ञिवान् 23 83d
त्रासितं जलदैरण्य 54 8c
त्रासिता स्पर्धिनो युधि 96 2b
त्रासोद्वेगेन सविग्ना 16 22c
त्रास्यन्ते सव्रजा गाव 61 28c
त्रास्यमानो गजेन वै 74 24b
त्राहि दीन जन सर्वं 77 58c
त्राहीति वदनैर्दीनै 61 24e
त्रिगर्तानामथेश्वर 80 14b
त्रितरगवलीधराम् 55 33d
त्रिदशाना चकार स 31 118d
त्रिदशाना च वर्धकि 3 40b
त्रिदशाना च शाश्वत 109 86b
त्रिदशाना धुरधर 68 27d
त्रिदशाना वय मान्या 83 10a
त्रिदशाभिमुख कृष्ण 86 21c
त्रिदिवद्वारचित्रेण 34 21c
त्रिदिवस्य गतिश्च स 46 16b
त्रिदिव त्व गमिष्यसि 47 45d
त्रिदिवारोहिभिर्ज्वालै 35 52a
त्रिदिवे त्र्यम्बकेऽपि वा 67 53d
त्रिधन्वा नाम पार्थिव 9 87c
त्रिधा दीप्यतु पावक 38 72b
त्रिनल्वान्तरमव्ययम् 33 2b
त्रिनेत्रो गणसवृत 112 129b
त्रिपादविग्रहे धर्मे 36 43c
त्रिपुरस्य विहायसि 61 44d
त्रिपुरान्तकर बाण 112 29e
त्रिभिरुक्त तु रक्षसा 9 73b
त्रिभिर्विव्याध सत्तक 81 82a
त्रिभिस्तस्तैर विक्रान्तै 45 48b
त्रिभिस्त्रिभिश्च नाराचै 81 84a
त्रिभिर्लोकैस्त्रिदशेप्सया 30 9b
त्रिभि क्षुब्धोऽस्मि कारणै 43 32d
त्रियज्ञशतयज्वान 118 24a
त्रियज्ञशतयाजिन 118 29b, 29f, 32f
त्रिरात्र चैव सदोह 60 12e
त्रिलोकपतयो यथा 70 7d
त्रिलोकविजयी नृप 9 83d
त्रिवर्गप्रभवाश्रय 30 9d
त्रिवर्गस्य प्रवर्तका 65 12d
त्रिवर्णपरिचारिभि 6 48b
त्रिवर्ण परिघो भानो 106 47e
त्रिवणन त्रिविक्रम 54 30b
त्रिविक्रमे विक्रमन्त 36 57c
त्रिविधस्ते व्यतिक्रम 10 17d
त्रिविध भुवि विद्यते 41 11b

द्

दिक्षु सर्वासु धार्मिका 9 35d
दिक्षु सर्वासु भारत 7 34d
दिक्षु सर्वासु शुद्धासु 36 39c
दिक्षु सर्वासु सर्वत 68 2d
दिक्षु सर्वासु सह्राद 92 44c
दिक्षु सयानवतिपु 36 42b
दिगन्तरो नभोभूत 30 31c
दिग्धा क्षत्रियशोणितै 42 41b
दिग्भ्यो गर्भं प्रभान्वित 20 7b
दिग्वासा कोटवी स्थिता 112 97d
दितिर्विनष्टपुत्रा वै 3 97c
दिति शयनमाविशत् 3 106b
दित्या पुत्रद्वय जज्ञे 3 58a
दिदृक्षन्तौ महत्तत्र 71 38a
दिदेशान्धकवृष्णिषु 97 43b
दिधक्षन्तमिव प्रजा 35 47d
दिधक्षन्तमिवायान्त 36 52c
दिधक्षन्निव लोकास्त्रीन् 35 50c
दिनसवत्सरास्तथा 30 26d
दिलीपस्तस्य तनय 10 64c, 73c
दिलीपस्य तु दायाद 10 66a
दिलीपस्य महात्मन 13 55f
दिलीप यजमान ये 13 57c
दिवमाचक्रमे प्रभु 31 142d
दिवमावृत्य तिष्ठत 2 2b
दिवश्च्युतस्य दैत्यस्य 44 78c
दिवसः को विना सूर्यं 56 25a
दिवसानेकविंशतिम् 28 26d
दिवसान्ते दिवाकर 70 39d
दिवसे दीप्तभास्करे 61 62d
दिवसे सप्तमे बाल 99 18a
दिव च पृथिवीं चैव 1 37c
दिव ज्योतिर्गणैरिव 82 14d
दिवं प्रज्वाल्य तेजसा 12 5b
दिव प्राप्ते महीपती 21 27b
दिवं भुवमथापि च 1 26d
दिवाकरमरिंदम 9 17b
दिवा नक्तमजायत 66 29b
दिवि जाता महात्मान 21 10c
दिविजाताश्च भूमिजा 37 56b
दिवि तारेव सस्थिताम् 107 87d
दिवि भाति सुदर्शना 13 41b
दिवि शब्दो महानभूत् 9 66b

दिवि सचरता तदा 113 56b
दिविस्थाश्च दिवौकस 58 56b
दिवोदास इति ख्यात 23 57c
दिवोदासस्य पुत्रस्तु 23 62a
दिवोदासहृत बलात् 23 64b
दिवोदास प्रजेश्वर 23 60b, 61d
दिवोदासेन बालो हि 23 64c
दिव्यकुण्डलपूर्णाभ्या 47 42a
दिव्यगन्धो ववौ वायु 91 26c
दिव्यभृङ्गारचमरै 65 56a
दिव्यमप्रतिम बली 90 10b
दिव्यमभ्यर्चितं चैत्य 92 63c
दिव्यमाकाशमावव्रे 37 41c
दिव्यमालाकुल मृध 81 61d
दिव्यमाल्याम्बरधर 106 27a
दिव्यमाल्याम्बरधर 108 12c
दिव्यलोकमये रथे 32 28d
दिव्यशुक्लाम्बरधर 62 67c
दिव्यसहननाश्चैव 9 5c
दिव्यस्य पयसो घटै 62 42b
दिव्यस्रगनुलेपनम् 60 21b 106 27b
दिव्यस्रगनुलेपन 62 9b 108 12d
दिव्यस्रगनुलेपना 48 29d
दिव्यस्रग्दामधारिणी 81 58a
दिव्यस्वर्गरसाक्षित 62 66d
दिव्य कृष्णवपुर्हरि 32 20d
दिव्य देवावृध नृपम् 27 1d
दिव्य न कथयाम्यहम् 46 17d
दिव्य नारायणाश्रमम् 40 1d
दिव्य भगवतो दिवि 39 6b
दिव्य मन्त्रपद महत् 100 27b
दिव्य वपुरधारयत् 96 36d
दिव्य स्यमन्तक नाम 28 12c
दिव्य स्वबलमास्थित 51 19b
दिव्य स्वर्भानुदर्शितम् 37 52b
दिव्याक्षहृदयज्ञो वै 10 69c
दिव्या त्रिधारा दृष्टा मे 46 10a
दिव्या त्वमपरा तनु 99 40d
दिव्या देवगणान्विता 1 33b
दिव्या देवगुणैर्युता 31 149b
दिव्या देवमहाचमू 37 19b
दिव्या देवैरभिष्टुता 38 29f
दिव्यानीति हि न श्रुतम् 20 3d

परिणामे तु गर्भस्य 47 $4^c$
परितुष्ट पितामह 35 $65^d$
परितुष्टोऽस्मि कर्मणा 38 $60^b$
परित्यक्त प्रिय सुतम् 10 $6^b$
परित्यक्ता स शोभनै 77 $5^b$
परित्यजेतां तौ शोक 69 $25^c$
परित्यज्य प्रिय जनम् 77 $55^d$
परित्राणाय बाणस्य 112 $98^c$
परित्रात च गोकुलम् 61 $1^b$
परित्रात जगद्भवेत् 45 $30^d$
परित्राय च तक्षकम् 118 $9^b$
परित्राहीति चाब्रवीत् 101 $8^d$
परिदेवन्ति करुण 56 $28^c$
परिदेवितमात्रेण 78 $6^a$
परिधावन्नितस्तत 22 $10^b$.
परिपाल्या नरेश्वरै 7 $47^d$
परिपेतुर्भृशं केचित् 37 $28^e$
परिबर्हांश्च पुष्कलान् 94 $28^d$
परिरक्षन्त आसते 91 $25^d$
परिरक्ष शिशु व्रजे 49 $3^f$
परिरक्षस्व मा विभो 101 $9^b$
परिवर्तमान ददृशे 83 $52^c$
परिवर्तस्त्वहोरात्र 36 $4^c$
परिवर्ते कृते सम्या 48 $20^a$
परिवर्तेत भारत 19 $32^d$
परिवृत सुखाश्रये 49 $29^f$
परिववुर्गिरिवर 60 $29^c$
परिववुर्जनार्दनम् 88 $10^b$
परिववुर्महाबाहुम् 92 $26^a$
परिववुर्हलायुधम् 87 $43^d$
परिवार्य पुरीं सर्वे 81 $25^c$
परिवार्य प्रदक्षिणम् 59 $30^b$
परिवार्यानीश्वरा 100 $10^b$
परिवृत्त युग मेने 85 $55^e$
परिवृत्ताङ्गलेषु च 52 $11^b$
परिष्वक्त क्रमन्नणे 36 $59^b$
परिष्वक्तो हलायुध 110 $66^b$
परिष्वज्य जनार्दनम् 91 $30^b$
परिष्वज्याभिनन्द्य च 92 $56^b$
परिहर्तुं कथचन 115 $29^b$
परिहर्तुं न शक्यामि 115 $25^c$
परीक्षिच्च महाबाहु 23 $100^e$
परीक्षितस्तु तनय 23 $110^a$

परीत कालधर्मणा 76 $28^b$
परेण मृदितामिह 118 $22^d$
परेणाधिष्ठित चैव 85 $62^e$
परेणोक्ता गुणा गौण्य 66 $8^c$
परेणामप्यभयद 69 $15^c$
परो धर्म परो दम 118 $32^b$
पर्जन्यतुल्यनिर्घोषै 93 $33^c$
पर्जन्यनिनदेन च 61 $19^b$
पर्जन्यस्तपनो व्यक्त 3 $111^c$
पर्जन्यस्य प्रजापते 4 $14^b$
पर्जन्य च ससर्ज ह 1 $34^d$
पर्जन्य सर्वलोकाना 59 $17^c$
पर्जन्याश्चऽभिमन्त्रिते 112 $73^b$
पर्णवाद्य श्रुतिसुख 52 $3^a$ 55 $11^e$
पर्णवाद्यान्तरे वेणु 55 $26^c$
पर्णशय्यासु ससुप्तौ 52 $6^c$
पर्णाशाया जल स्पृशन् 27 $7^b$
पर्णोत्करघना सर्वे 59 $34^e$
पर्यङ्काश्च हिरण्मया 74 $10^b$
पर्यङ्कैश्चात्ररोपितै 53 $27^d$
पर्यगच्छत्ततो द्रष्टु 51 $27^c$
पर्यदेवत्र विधवा 31 $130^a$
पर्यन्तेष्वावृत वन्यै 49 $22^c$
पर्यपृच्छद्द्विजोत्तमम् 85 $16^d$
पर्यपृच्छद्द्विजोत्तमान् 25 $13^b$
पर्यष्वजत कृष्ण वै 58 $55^c$
पर्यस्त शकट मम 50 $15^d$
पर्यस्ता पृथिवीं कृत्स्ना 97 $20^a$
पर्यस्त ज्योतिमण्डले 70 $2^b$
पर्यस्ते शकटे पुत्र 50 $11^c$
पर्यस्तैर्घूर्णमानैश्च 61 $48^a$
पर्यदीयत दानव 44 $49^d$
पर्याप्ततृणसस्तरम् 49 $20^e$ 52 $21^b$
पर्याप्तनयन शक्र 62 $5^c$
पर्याप्तमिव लक्षये 100 $58^d$
पर्याप्तविषयाकारा 86 $37^c$
पर्याप्त वचन मम 100 $82^d$
पर्याप्ता इति मे मति 110 $18^b$
पर्याप्ते कृष्ण विग्रहे 78 $24^b$
पर्याप्ते यज्ञसविधौ 60 $17^b$
पर्याप्नुवन्तु मा क्षिप्र 60 $28^a$
पर्यायेण पुन पुन 112 $104^b$
पर्येति बहु वाशती 66 $26^d$

मुचुकुन्दो महायशा 85 40$^b$
मुच्यमानेन चासकृत् 61 17$^b$
मुञ्चन्त शरवर्षाणि 88 15$^a$
मुण्डयित्वा व्यसर्जयत् 10 49$^b$
मुण्डा काषायवासस 116 15$^b$
मुदितमना रमयन्वपुष्मतीं ताम् 118 40$^d$
मुदिताश्चानुकुर्वन्त्य 63 28$^c$
मुदिताश्चाप्यगायन्त 79 30$^a$
मुदितौ सिंहविक्रान्तौ 58 11$^c$
मुद्गलस्य तु दायाद 23 99$^a$
मुद्गल सृञ्जयश्चैव 23 96$^c$
मुनयश्च समाहिता 34 47$^b$,
मुनयश्चाभिमानिन 117 16$^b$
मुनयो धर्मचारिण 16 28$^d$
मुनयो बहुरूपिण 117 19$^d$
मुनिमूर्वं सभाजयन् 35 53$^b$
मुनिरप्सरसस्तथा 3 92$^d$
मुनिर्मनसि ताडित 35 31$^b$
मुनिर्वेदनिरास्तथा 7 22$^b$
मुनि प्रीतस्त्विशङ्कये 10 19$^d$
मुनीना भावितात्मनाम् 31 114$^b$ 35 28$^b$
मुनीनां विहित पुरा 35 32$^b$
मुनीन्वै संशितव्रतान् 31 55$^b$
मुमुचुर्गन्धमधिक 73 16$^c$
मुमुचु पुष्पकारौश्च 83 31$^c$
मुमुदाते यदुवरौ 79 39$^c$
मुमुदुर्यादवा सर्वे 84 23$^c$
मुमुदे ब्रह्मलोकस्थ 39 29$^c$
मुमुदे यदुभि सार्धे 86 79$^c$
मुमुदे शम्पालिता 37 16$^b$
मुमूर्षु कालचोदित 112 53$^d$
मुमोच ज्वलितां घोरा 38 32$^c$
मुमोच रुषितो रुद्र 112 19$^c$
मुमोच वज्रज फेन 64 17$^c$
मुमोच विशिखान्तीक्ष्णान् 108 82$^c$
मुमोचास्त्राणि चत्वारि 112 24$^c$
मुरस्य विषय प्रति 91 14$^d$
मुरं चैव महासुरम् 92 28$^b$
मुरं हत्वा सहान्वयम् 91 45$^b$
मुर पुत्रमहस्रैश्च 91 19$^c$
मुरोश्चैव दशात्मजा 91 15$^d$
मुष्टिकस्य तथैव च 72 13$^d$
मुष्टिके च निपातिते 76 9$^c$
मुष्टिदेशे विकूजित्वा 71 52$^c$
मुष्टिना वज्रकल्पेन 58 51$^c$
मुष्टिनैकेन चोरसि 110 70$^d$
मुष्टिनैकेन तेजस्वी 76 6$^a$
मुष्टिभिर्जनयन्भयम् 110 59$^d$
मुष्टिभिर्निहता केचित् 37 45$^a$
मुसलाक्षेपताडितान् 81 69$^b$
मुसलापाश्रितोदरम् 70 17$^d$
मुसलेन च भास्वता 83 26$^d$
मुसलेन व्यपोथयत् 110 51$^b$
मुसलै पट्टिशैश्चापि 112 65$^a$
मुसलै पट्टिसैश्चैव 112 74$^c$
मुहु कुर्वन्भ्रमस्तदा 110 64$^b$
मुहूर्तभूत देवस्य 9 25$^c$
मुहूर्तमन्तरिक्षेऽभूत् 91 27$^c$
मुहूर्तमभवत्तदा 110 69$^b$
मुहूर्तमभवद्युद्धम् 110 72$^c$
मुहूर्तं प्राप्य जीवितम् 10 65$^b$
मुहूर्तं योधयामास 91 56$^a$
मुहूर्तं व्यथिताभवत् 48 4$^d$
मुहूर्तादिव चाश्रौष 102 9$^a$
मुहूर्तादिव राजा स 19 21$^a$
मुहूर्ताश्च कलाश्चैव 104 20$^c$
मुहूर्तास्तिथयो मासा 30 26$^c$
मुहूर्तास्तु मुहूर्तजा 3 28$^b$
मुहूर्तेऽभिजिते प्राप्त 48 13$^c$
मूढे पण्डितमानिनि 51 24$^b$ 73 25$^b$
मूत्रेण शकृता चैव 85 22$^c$
मूर्खा स्वार्थपरा लुब्धा 117 17$^a$
मूर्खौ प्राकृतविज्ञानौ 71 11$^c$
मूर्तयो हि तवाऽव्यक्ता 44 81$^a$
मूर्तिमन्तमिवाम्बुदम् 92 19$^b$
मूर्तिमन्तमिवार्णवम् 33 5$^d$
मूर्तिमन्ति बृहन्ति च 81 57$^b$
मूर्तिमन्तो हि ते स्मृता 13 50$^d$
मूर्तिमान्सरहस्यात्मा 68 21$^a$
मूर्धजव्याकुलेक्षणौ 51 11$^b$
मूर्धजेषु परामृष्ट 76 29$^c$
मूर्धन्यक्षोभुनैस्तुल्य 99 39$^c$
मूर्ध्ना पद्भ्यां निपतवा 48 46$^c$
मूर्ध्नि चाघ्राय वीर्यवान् 113 63$^b$
मूर्ध्नि चोत्तसितैर्घटै 53 16$^b$
मूर्ध्नि तिष्ठन्गरुत्मत 94 8$^b$

## य

लक्ष्मणा चारुहासिनी 98 3$^{d}$
लक्ष्मणानुचरो राम 31 116$^{c}$
लक्ष्मणाया कुरुश्रेष्ठ 93 46$^{c}$
लक्ष्मणाया प्रजा शृणु 98 11$^{d}$
लक्ष्मणां चारुहासिनीम् 88 42$^{d}$
लक्ष्मीकामो धृतव्रत 99 2$^{b}$
लक्ष्मीवान्माल्यजीवन 71 16$^{d}$
लक्ष्मीं साक्षादिव स्थिताम् 87 33$^{b}$
लक्ष्यन्ते हि ध्वजाग्राणि 81 3$^{c}$
लग्न ताभ्या समूलाभ्या 51 17$^{c}$
लघ्वाहारास्तपस्विन 16 25$^{d}$
लघ्वाहारो जितेन्द्रिय 14 11$^{b}$
लता इव विचेष्टन्त्य 77 6$^{c}$
लतापुष्पसुमण्डितम् 55 20$^{b}$
लतालङ्कृतपादपम् 55 27$^{d}$
लतावल्लीमहाद्रुमम् 49 17$^{b}$
लतावेष्ट समन्तात्तु 93 18$^{a}$
लब्धमात्र वरे चापि 31 54$^{c}$
लब्धलक्ष्या महाबला 82 25$^{b}$
लब्धलक्ष्यो ह्यय वीर 108 76$^{a}$
लब्धसञ्ज्ञा दिवौकस 12 27$^{b}$
लब्ध्वा त्रिभुवनश्रियम् 43 13$^{d}$
लब्ध्वा नारायणाद्वरम् 19 15$^{b}$
लभेत सर्वज्ञफल च केवलम् 118 43$^{d}$
लभेत्पद्य वराश्रय 23 166$^{a}$
लभेयमिति त शक्र 23 83$^{c}$
लभ्यता कष्टचर्मणा 64 5$^{d}$
लम्बमानमहाम्बुदम् 54 34$^{b}$
लम्बमानाम्बुदाकृति 56 2$^{b}$
लम्बस्तु लम्बमेघाभ 33 22$^{a}$
लम्बाभरणपूर्णन 36 54$^{c}$
लम्बा भानुर्मरुत्वती 3 26$^{b}$
लम्बायाश्चैव घोषोऽथ 3 28$^{c}$
लम्बो नामेति विख्यात 44 71$^{a}$
ललामप्रतिम हरम् 81 61$^{b}$
लवणजलगमा महानदी 90 17$^{a}$
लवणस्य महामृधे 44 50$^{d}$
लवणो नाम दानव 31 127$^{b}$ 44 23$^{b}$
लाघव समुपागम्य 112 7$^{a}$
लाङ्गलाहृष्टमार्गा त्व 83 48$^{a}$
लाङ्गलाकृष्टमार्गा सा 83 34$^{a}$
लाङ्गलासक्तहस्ताग्र 70 17$^{c}$
लाङ्गलाञ्च समुद्यम्य 90 10$^{c}$
लाङ्गलेनावसक्तेन 83 26$^{a}$
लाङ्गलोल्लिखितापाङ्गी 83 38$^{a}$
लाङ्गूल चास्य वेगेन 74 36$^{a}$
लाजैश्चापि समन्तत 109 77$^{b}$
लाजै प्रणामैर्धूपैश्च 113 61$^{a}$
लालये स्वजन भागे 96 6$^{c}$
लालिता स रतिप्रिया 77 18$^{b}$
लावणैरम्बुविस्रवै 43 20$^{d}$
लिप्साचक्र प्रसेनात्तु 28 14$^{a}$
लिप्सु पुत्र ततो गत्वा 85 9$^{c}$
लीनमीनग्रहस्येव 81 31$^{c}$
लीलया वदनेन च 107 7$^{b}$
लीलाकृताङ्गद वीर 75 2$^{c}$
लीलां तद्वलमाश्रिता 67 60$^{d}$
लुब्धकस्यात्मजाख्यात 16 15$^{a}$
लुब्धा शूरान्बहूस्तथा 10 57$^{b}$
लेखाश्च नाम राजेन्द्र 7 28$^{a}$
लेखा हि काललिखिता 115 27$^{c}$
लेभे कन्यामनुत्तमाम् 18 23$^{b}$
लेभे जाम्बवती कन्या 28 28$^{c}$
लेभे ज्येष्ठ सुत राम 25 2$^{a}$
लेभे तस्माद्दहद्दय 22 13$^{d}$
लेभे पुत्रमकल्मषम् 23 126$^{d}$
लेभे प्रसेनजिद्भार्यां 9 82$^{a}$
लेभे प्रीतमना भव 107 8$^{d}$
लेभे वै पुरुष पत्नीं 2 1$^{c}$
लेभे साम्बात्तरस्विनम् 98 24$^{b}$
लेलिहद्भिश्च पन्नगै 34 12$^{b}$
लेलिहन्त इवोरगा 37 40$^{d}$
लेलिहान सलिलेप्सु 64 3$^{a}$
लेलिहानानि दिव्यानि 81 56$^{c}$
लेशमात्रेण भारत 105 6$^{b}$
लेहस्य पायसस्यार्थे 60 11$^{c}$
लोककान्तस्य साहाय्य 99 48$^{a}$
लोकक्षयकरस्य ह 115 20$^{b}$
लोकक्षयकर महत् 20 34$^{d}$
लोकक्षयकरे काले 106 45$^{c}$
लोकक्षयकरे तदा 112 38$^{d}$
लोकच्छायामय लक्ष्म 36 5$^{a}$
लोकतन्त्रधरो ह्यय 39 15$^{c}$
लोकनाथस्य भार्यया 107 46$^{b}$
लोकपालत्वमेव च 8 42$^{d}$
लोकपालस्य शाश्वत 59 5$^{d}$

व

सप्तर्षीणां प्रजापति 2 11$^{d}$
सप्तवर्षा बभूवतु 52 1$^{d}$
सप्तविंशतिमिन्दोस्तु 20 21$^{a}$.
सप्तविंशति सोमाय 3 24$^{c}$
सप्तविंशत्तु या प्रोक्ता 3 53$^{a}$
सप्त व्याधा दशार्णेषु 19 18$^{a}$
सप्तस्कन्धगतो लोकान् 34 27$^{c}$
सप्तस्वरगता यस्य 34 28$^{c}$
सप्ताजायन्त सोदरा 16 15$^{d}$
सप्तातीतानि भारत 7 38$^{b}$
सप्तानां ब्रह्मजन्मनाम् 1 30$^{d}$
सप्ताहं भूमिकम्पनम् 9 56$^{d}$
सप्तेमान्देवकीगर्भान् 47 10$^{a}$
सप्तमे वसव प्राप्ता 43 48$^{c}$
सप्तैते जपतां श्रेष्ठ 13 4$^{a}$
सप्तैते ब्रह्मण सुता 7 7$^{d}$
सप्तैवासन्नलौकस 16 28$^{b}$
सप्रतिज्ञमिदं वच 32 31$^{d}$
सप्रपातमहासानु 92 40$^{c}$
सप्रमोदा करेणव 63 30$^{d}$
स प्रविष्ट प्रवेगेन 83 3$^{c}$
सप्राश्निकमकातरम् 75 10$^{b}$
स प्रैक्षत दिशो दश 108 81$^{d}$
सफेन रुधिरं वमन् 67 34$^{d}$
स फेन वस्त्रज चैव 67 25$^{a}$
स फेनैर्गात्रनिर्गीर्णै 67 26$^{c}$
स बद्धमुकुट श्रीमान् 78 40$^{a}$
स बद्धाङ्गदनिर्यूह 63 21$^{c}$
स बभौ मूर्तिलिङ्गस्थ 91 6$^{a}$
सबलास्त महीपाला 81 25$^{a}$
सबला सानुगाश्चैव 34 2$^{c}$
स बलेन तदा पूर्ण 58 50$^{c}$
सबलेषु नरेन्द्रेषु 43 55$^{a}$
सबलो रावणो हत 44 33$^{b}$
स बाणैरपरिक्षत 76 40$^{b}$
सबालयुवतीवृद्ध 56 18$^{a}$
सबालवृद्धा सा चैव 79 27$^{c}$
सबाला हृष्टमनस 79 26$^{c}$
सबाष्पा वाक्यमब्रवीत् 99 34$^{d}$
सबाष्पा हिमवृष्ट्य 36 13$^{b}$
स बाहुमतमुद्यम्य 38 29$^{a}$
स भास्करद्युतिग्रीव 57 20$^{a}$
स भव कार्त्तिकेयश्च 106 59$^{c}$
स भवान्कथयत्वेना 11 15$^{a}$
सभा काञ्चनतोरणा 91 24$^{b}$
सभाक्षो भद्रकारात्तु 28 35$^{a}$
सभाग्या स यथा पुरा 83 14$^{b}$
स भाण्डीरवटप्रख्य 58 25$^{a}$
सभाद्वारमुपागता 109 58$^{b}$
सभानरश्चाक्षुषश्च 23 15$^{b}$
सभानरस्य पुत्रस्तु 23 16$^{a}$
सभामध्यगत प्राह 29 35$^{c}$
सभामागम्य विष्ठिता 109 16$^{d}$
सभामाविविशुर्हृष्टा 89 22$^{c}$
सभायामाहृता तदा 109 16$^{b}$
सभाया यदुससदि 84 1$^{b}$
स भारसहस्रस्य 58 24$^{a}$
सभार्यस्त्वमिहागत 99 36$^{d}$
सभार्यं च जनार्दनम् 92 43$^{b}$
सभार्यं तस्य धीमत 90 12$^{d}$
सभार्यं सहबान्धव 56 36$^{d}$
सभार्यो विनशिष्यति 73 5$^{d}$
सभार्यो विबुधश्रेष्ठ 92 51$^{c}$
सभा ता स सुरेश्वर 91 31$^{d}$
सभा समानयामासु 95 13$^{c}$
सभा सुधर्मामादाय 86 67$^{c}$, 71$^{c}$
स भिक्षामददाद्वीर 23 151$^{a}$
स भीत प्राञ्जलिर्भूत्वा 5 17$^{a}$
सभृत्य सपुरोहित 65 85$^{d}$
स भृश भयसविग्न 71 21$^{c}$
स भौम नरक हत्वा 92 33$^{c}$
समक्ष भीष्मकस्य ह 88 1$^{d}$
समग्र वैष्णव तेज 62 16$^{c}$
समग्र शुचये शुचि 1 22$^{b}$
समग्रा विसहिष्यति 86 37$^{d}$
स मणि स्यन्दते रुक्म 28 13$^{a}$
समतीतान्यनेकश 31 10$^{d}$
समतीते द्विजर्षभ 9 29$^{b}$
समतीते महाबल 21 29$^{b}$
समतीत्यजलाशयम् 49 18$^{b}$
स मत्तहस्ती दुष्टात्मा 74 23$^{a}$
स मत्तो बलिना श्रेष्ठ 83 27$^{a}$
स मत्तो यमुनामाह 83 28$^{a}$
समनह्यन्त दाशार्हा 87 42$^{c}$
समनह्यन्त सर्वश 110 36$^{d}$
समन्ततश्चाप्सरस 82 13$^{c}$

—